अथवा

धूमिल की कविताओं में व्यक्त मोहभंग का चित्रण कीजिए ।

5. भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए । (15)

अथवा

अज्ञेय की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए ।

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

22/5/25 (Mor).

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 799 **J**

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : **हिंदी कविता (छायावाद के बाद)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. उत्तर लिखने से पहले प्रश्नों को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करें।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) हे महाबुद्ध !

मैं मंदिर में आई हूँ

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-110019

रीते हाथ :

फूल मैं ला न सकी।

औरों का संग्रह

तेरे योग्य न होता।

अथवा

अपना क्या है इस जीवन में

सब तो लिया उधार

सारा लोहा उन लोगों का

अपनी केवल धार।

(ख) झुर्रियों से भर मेरा चेहरा

नन्हीं नन्हीं इच्छाओं पर तन गया है

अपने गुलाम को लगभग पालतू जानवर की तरह

बांधे रखती हैं हरवक्त

अच्छी आदतों के बनिस्बत बुरी आदतें

बहुत देर तक पीछा करती है आदमी का

आदमी कुछ लतें तो इसलिए पाल लेता है

कि वह अलग दिखना चाहता है ईश्वर से (काव्य- बिंब)

3. सिंदूर तिलकित भाल कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

दुष्यंत कुमार की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. रघुवीर सहाय की कविता की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (15)

और पूरा का पूरा मैं गिर पडा नीचे

शर्मिंदा हूं प्रभु ।

और इस घटना पर हिल रहा हूं अब तक

पर कोई करे तो भी क्या

समय ऐसा ही कुछ ऐसा है

कि पानी नदी में हो

या किसी चेहरे पर

झाँक कर देखो तो तल में कचरा

कहीं दिख ही जाता है (काव्य- बिंब)

(क) आदतें अक्सर बहुत बुरी शासक होती हैं

लगभग तानाशाह

नया और अच्छा है यह अनुभव

लवकुश इच्छाओं के

पकड़ेंगे शायद घोड़े अश्वमेध के

साधारणतया खेद के पहले है जो

बनेगे वे गौरव के निधान

आत्मसम्मान या आत्मा का

शरीर से जीतेगा

दुविधा का एक और वक्त

बीतेगा।

अथवा

देखे हैं हमने दौर कई अब ख़बर नहीं,

पाँवों तले जमीन है या आसमान है।,

वो आदमी मिला था मुझे उसकी बात से

ऐसा लगा कि वो भी बहुत बेजुबान है।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्हीं दो** का रचना - कौशल की दृष्टि से विश्लेषण कीजिए : (7.5×2=15)

(क) जो छोटी-सी नैया लेकर

उतरे करने को उदधि-पार;

मन की मन में ही रही, स्वयं

हो गए उसी में निराकार !

उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े

रह-रह नव-नव उत्साह भरे;

पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि

कुछ असफल ही नीचे उतरे !

उनको प्रणाम !

(मूल-संवेदना)

(ख) फिर ऐसा हुआ कि उसने हड़बड़ी में

मुझे चुल्लूभर उठाया

और क्या जाने क्या

उसे दिख गया मेरे भीतर

कि हिल उठा वह